किया है, जिसने अन्य बातों के साथ-साथ पारेषण और वितरण हानियों को कम करने के लाभों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है । इस तरह की हानियों को कम करने की तकनीकें पहले से ही ज्ञात हैं और पारेषण एवं वितरण प्रणाली के सुधार के लिए स्कीमें विभिन्न राज्यों में क्रियान्वयनाधीन हैं ।

(ङ) विद्युत उत्पादन में दक्षता बढ़ाने के लिए और इसे कम खर्चीला बनाने के लिए, उत्पादन की सम्पूर्ण लागत में ईंधन लागत घटक को कम करने हेतु विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों का विकास किया जा रहा है ।

अल्पावधि विद्युत परियोजनाओं का कार्यान्वयन

7879. श्री मूलचन्द मीणा :
श्री अजीत जोगी :

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अल्पावधि विद्युत परियोजनाओं को संतोषजनक ढंग से कार्यान्वित किया जा रहा है ;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है और पिछले तीन वर्षों के दौरान पूरी की गई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए राज्य-वार क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल) : (क) जी हां ।

(ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान गैस टर्बाइन, स्टीम, टर्बाइन और डीजल विद्युत उत्पादन सेटों सहित चालू की गई अल्पावधि विद्युत परियोजनाओं का राज्य-वार ब्यौरा निम्नवत् है :—

परियोजना का नाम		क्षमता (मेगावाट)
उत्तर प्रदेश		
केन्द्रीय क्षेत्र		
दादरी सीमोजीटी	जी०टी०—3	131
	जी०टी०—4	131
	एस०टी०—1	146.5
	एस०टी०—2	146.5
राजस्थान		
राज्य क्षेत्र		
रामगढ़	जी०टी०—1	3.00
	जी०टी०—2	35.50

1	2	3	4
जम्मू व कश्मीर			
केन्द्रीय क्षेत्र			
पम्पोर चरण–2	जी०टी०–1	. . . .	25
	जी०टी०–2	. . . .	25
	जी०टी०–3	. . . .	25
	जी०टी०–4	. . . .	25
दिल्ली			
राज्य क्षेत्र			
आई०पी०डब्ल्यू०एच(०डे सू)	. . . . .		34
गुजरात			
केन्द्रीय क्षेत्र			
गंधार सीसीजीटी	जी०टी०–1	. . . .	131
	जी०टी०–2	. . . .	131
	जी०टी०–3	. . . .	131
गंधार सीसीएसटी	एस०टी०	. . . .	255
केन्द्रीय क्षेत्र			
उत्राण सीसीजीटी	जी०टी० 1	. . . .	33
	जी०टी०–2	. . . .	33
	जी०टी०–3	. . .	33
	एस०टी०–1	. . . .	45
कवास सीसीजीटी	जी०टी०–2	. . . .	106
	जी०टी०–3	. . . .	106
	जी0टी०–4	. . . .	106
कवास सीसीएसटी	एस०टी०–1	. . . .	110
	एस०टी०–2	. . . .	110
महाराष्ट्र			
राज्य क्षेत्र			
उरण अपशिष्ट ऊष्मा रिकवरी	यूनिट–1	. . . .	120
	यूनिक–2	. . . .	120
ट्राम्बे	जी०टी०	. . . –	120
	एस०टी०	. . . .	60

1	2	3	4
कर्नाटक			
राज्य क्षेत्र			
बंगलौर डीजीसेट	यूनिट- 6	. . . .	21.32
येलाहंका डीजी सेट	यूनिट- 1	. . .	21.32
	यूनिट- 2	.	21.32
	यूनिट- 3	. . . .	21.32
	यूनिक- 4	. . .	21.32
	यूनिट- 5	. . . .	21.32
असम			
राज्य क्षेत्र			
लाकवा	जी0टी0- 5	. . . .	20
	जी0टी0- 6	. . . .	20
	जी0टी0- 7	. . . .	20
केन्द्रीय क्षत्र			
कथलगुडी	जी0टी0- 1	. . . .	33.50
	जी0टी0- 2	. . . .	33.50
	जी0टी0-3	. . . .	22.50
तमिलनाडू			
राज्य क्षेत्र			
बेसिन ब्रिज	.	. . .	30

Utilisation of Hydro-power capacity

7880. SHRI GUNDAPPA KORWAR Will the Minster of POWER be pleased to state:

(a) the extent of hydro-power capacity being utilised at national level: and

(b) the details thereof indication the areas of utilisation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI MATI URMILA CHIMANBHAI PATEL): (a) and (b) The installed capacity (above 3 MW projects) of hydroelectric stations in the country is 20,829.04 MW. The region-wise